SET-2

Series RLH/2

कोड नं.
Code No. 4/2/2

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 18 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम ब)

(Course B)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के* ***चार*** *खण्ड हैं – क, ख, ग और घ ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना* ***अनिवार्य*** *है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो,
चट्टानों की छाती से दूध निकालो ।
है रुकी जहाँ भी धार शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चन्द्रमाओं को पकड़ निचोड़ो,
चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ।।

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर भले व्योम फट जाए ।
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो एक ही बार मरता है ।
तुम स्वयं मृत्यु के मुख पर चरण धरो रे,
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे ।

स्वातंत्र्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है ।
नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है ।

वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे ।
जो पड़े आन खुद ही सब आग सहो रे ।।

(क) काव्यांश में कवि ने 'विजयी' के रूप में जीने के लिए क्या-क्या करने को कहा है ?

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए – 'मरता है जो एक ही बार मरता है ।'

(ग) संसार में स्वतंत्रतापूर्वक कौन जीवित रह सकते हैं ?

(घ) काव्यांश के संदेश को संक्षेप में लिखिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×6=12*

मनुष्य जन्म से ही अहंकार का इतना विशाल बोझ लेकर आता है कि उसकी दृष्टि सदैव दूसरे के दोषों पर ही टिकती है । आत्मनिरीक्षण को भुलाकर साधारण मानव केवल पर-छिद्रान्वेषण में ही अपना जीवन बिताना चाहता है । इसके मूल में उसकी ईर्ष्या की दाहक दुष्प्रवृत्ति कार्यशील रहती है । दूसरे की सहज उन्नति को मनुष्य अपनी ईर्ष्या के वशीभूत होकर पचा नहीं पाता और उसके गुणों को अनदेखा करके केवल दोषों और दुर्गुणों को ही प्रचारित करने लगता है । इस प्रक्रिया में वह इस तथ्य को भी आत्मविस्मृत कर बैठता है कि ईर्ष्या का दाहक स्वरूप स्वयं उसके समय, स्वास्थ्य और सद्वृत्तियों के लिए कितना विनाशकारी सिद्ध हो रहा है । परनिंदा को हमारे शास्त्रों में भी पाप बताया गया है । वास्तव में मनुष्य अपनी न्यूनताओं, अपने दुर्गुणों की ओर दृष्टि उठाकर देखना भी नहीं चाहता क्योंकि स्वयं को पहचानने की यह प्रक्रिया उसके लिए बहुत कष्टकारी है । अपनी वास्तविकता – अपनी क्षुद्रता – उसे इतना क्षुब्ध करती है कि वह उसे भुलाकर दूसरों के दोषों को ढूँढ़कर ही अपना दुख हल्का करना चाहता है । विवेकशील, ज्ञानी पुरुष अपने बारे में इस वास्तविकता से मुख मोड़ने के स्थान पर आत्मनिरीक्षण को ही श्रेयस्कर समझते हैं । इस आत्मनिरीक्षण के कठिन रास्ते पर चलकर ही मनुष्य अपनी दुष्प्रवृत्तियों को पहचान कर उनसे मुक्ति प्राप्त कर सकता है । मनीषियों की गम्भीर वाणी इसी कारण सदैव अपने दोषों को ढूँढ़ने का ही उपदेश देती है किन्तु इस व्यवहार में वे ज्ञानी व्यक्ति ही आते हैं जो अपने विषय में कटु सत्यों का सामना करने को तत्पर रहते हैं । सन्त कबीर के एक दोहे में इसी तथ्य का निरूपण बड़े सरल शब्दों में किया गया है –

‘बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय
जो मन देखूँ आपना, मुझ सा बुरा न कोय’

(क) मनुष्य की दृष्टि दूसरों के दोषों पर क्यों टिकी रहती है और वह कैसा जीवन बिताना चाहता है ?

(ख) ईर्ष्या किसे कहते हैं ? इससे मनुष्य को क्या हानियाँ होती है ?

(ग) कौन-सी प्रक्रिया मनुष्य के लिए कष्टकारी है ? इसका कारण क्या है ?

(घ) विवेकशील व्यक्ति क्या अच्छा मानते हैं और क्यों ?

(ङ) गद्यांश के आधार पर सद्प्रवृत्तियों और दुष्प्रवृत्तियों के दो-दो उदाहरण दीजिए ।

(च) आशय स्पष्ट कीजिए – ‘जो मन देखूँ आपना, मुझ सा बुरा न कोय ।’

खण्ड ख

3. शब्द और पद में क्या अन्तर है ? दोनों का एक-एक उदाहरण देकर समझाइए । *1+1=2*

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : *1×3=3*

(क) आलोक ने कहा कि वह परीक्षा नहीं देगा । (रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(ख) नदी में बाढ़ आने पर गाँव के लोग परेशान हो जाते हैं । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जो सोता है सो खोता है । (सरल वाक्य में बदलिए)

5. (क) निम्नलिखित का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

हृदयहीनता, शशिमुख ।

(ख) निम्नलिखित का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए :

शुद्ध जो दूध, क्रीड़ा का क्षेत्र ।

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिए : *1×4=4*

(क) कृपया आप यहाँ से हट जाओ ।

(ख) मेरा घर आज सफेदी हो रहा है ।

(ग) चेक पर आपका हस्ताक्षर नहीं है ।

(घ) हम भी तो यही कहे थे ।

7. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : *1+1=2*

तिल का ताड़ बनाना, जले पर नमक छिड़कना ।

खण्ड ग

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2+2+1=5*

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं ! ख़ूब ऊपर चढ़ें और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें, यही महत्त्व की बात है ।

(क) व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहकर क्या करते हैं ?

(ख) महत्त्व की बात किसे माना गया है और क्यों ?

(ग) आदर्शवादी लोगों की समाज को क्या देन है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) 'गिरगिट' कहानी में किस पात्र को गिरगिट कहा जा सकता है और क्यों ?

(ख) बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है ? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ग) 'टी सेरेमनी' किसे कहा जाता है ? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर लिखिए ।

10. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए : *5*

'शाश्वत मूल्य से आप क्या समझते हैं ?' 'गिन्नी का सोना' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में इन मूल्यों की क्या प्रासंगिकता है ।

11. 'कर चले हम फ़िदा' कविता पाठक के मन को छू जाती है । आपके मत में इसके क्या कारण हो सकते हैं ? लिखिए । *5*

12. 'अलग-अलग धर्म और जाति मानवीय रिश्तों में बाधक नहीं होते ।' 'टोपी शुक्ला' पाठ के आलोक में प्रतिपादित कीजिए । *5*

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+1=5*

(क) बिहारी के दोहे में जगत को तपोवन-सा क्यों कहा गया है ? इससे कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ख) मैथिलीशरण गुप्त ने उदार व्यक्ति के क्या-क्या लक्षण बताए हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' में दीपक किसका प्रतीक है ?

खण्ड घ

14. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए : *5*

(क) कश्मीर में जल-प्रलय

- क्यों और कैसे
- जन-धन की क्षति
- सुझाव

(ख) शिक्षा में सदाचार

- सदाचार क्यों
- कैसे
- लाभ

(ग) पुस्तकालय

- अच्छे पुस्तकालय की पहचान
- लाभ
- अधिकाधिक उपयोग

15. मेट्रो रेल या रेल यात्रा में चोरी की बढ़ती हुई घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस अधीक्षक को एक पत्र लिखिए । *5*

16. विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर विकलांगों की सहायता के लिए उदारतापूर्वक दान देने के लिए एक सूचना लगभग 30 शब्दों में लिखिए । *5*

17. इंटरनेट से होने वाली सुविधाओं पर हुए संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए । *5*

18. कुटीर उद्योग के रूप में आपके घर में आम और नींबू का अचार बनाया जाता है । उसकी बिक्री के लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 25 शब्दों में लिखिए । *5*